नाम दुरुस्ती के नाम पर 10 हजार की रिश्वत!

▸ पोहरी के तत्कालीन एसडीएम जेपी गुप्ता और पटवारी अशोक वर्मा पर ईओडब्ल्यू की एफआईआर

नवभारत न्यूज
पोहरी 01 जुलाई। तहसील का राजस्व अमला एक बार फिर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में घिर गया है। जमीन के राजस्व रिकॉर्ड में नाम दुरुस्त करने के एवज में 10 हजार रुपये की रिश्वत मांगने के मामले में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ग्वालियर ने पोहरी के तत्कालीन एसडीएम जेपी गुप्ता और पटवारी अशोक वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा-7 के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। कार्रवाई की सबसे अहम कड़ी वह वॉयस रिकॉर्डिंग बनी, जिसमें कथित तौर पर रिश्वत की मांग की बातचीत दर्ज हुई।

जानकारी के अनुसार, शिवपुरी निवासी गोविंद शिवहरे ने ग्राम रघुनाथपुरा की कृषि भूमि का सौदा बाबू सिंह राजपूत से किया था। रजिस्ट्री से पहले राजस्व रिकॉर्ड में बाबू सिंह के पिता के नाम में त्रुटि सामने आई। नाम दुरुस्त कराने के लिए आवेदन एसडीएम कार्यालय में दिया गया, जहां शिकायत के मुताबिक पटवारी अशोक वर्मा ने तत्कालीन एसडीएम जेपी गुप्ता के नाम पर 10 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की। शिकायतकर्ता रिश्वत देने को तैयार नहीं हुआ और उसने ईओडब्ल्यू से संपर्क किया।

शिकायत मिलने पर ईओडब्ल्यू ने गोपनीय सत्यापन कराया। 25 जून को वॉयस रिकॉर्डर के माध्यम से बातचीत रिकॉर्ड कराई गई, जिसे 28 जून को ग्वालियर कार्यालय में जमा किया गया। रिकॉर्डिंग और अन्य साक्ष्यों के परीक्षण के बाद 29 जून 2026 को एफआईआर क्रमांक 0080/2026 दर्ज कर दोनों आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) की धारा-7 के तहत मामला कायम किया गया। रिकॉर्डिंग में दर्ज बातचीत जांच का प्रमुख आधार बनी। जेपी गुप्ता कुछ ही दिन पहले कलेक्ट्रेट से पोहरी एसडीएम के रूप में पदस्थ किए गए हैं। नई पदस्थापना के तुरंत बाद उनके खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज होने से प्रशासनिक हलकों में भी चर्चा तेज हो गई है।

यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है, जब पोहरी तहसील पहले से ही भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर चर्चा में रही है। इससे पहले तहसील कार्यालय के बाबू पुनीत गुप्ता को लोकायुक्त ने रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। इसके बाद नायब तहसीलदार अजय परसेडिया पर फर्जी नामांतरण प्रकरण में रिश्वत लेने के आरोपों के चलते विभागीय जांच शुरू हुई, जो वर्तमान में ग्वालियर संभागायुक्त स्तर पर लंबित है। इसी बीच नायब तहसीलदार निशा भारद्वाज पर कोटवार नियुक्ति को लेकर शिकायतें सामने आईं। तत्कालीन एसडीएम ने उनके विरुद्ध कलेक्टर को कार्रवाई का प्रस्ताव भेजा, जिसके बाद उन्हें कलेक्टर कार्यालय की भू-अभिलेख शाखा में अटैच कर दिया गया। अब उसी तहसील के तत्कालीन एसडीएम पर रिश्वत मांगने के आरोप में एफआईआर दर्ज होने से प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। लगातार सामने आ रहे मामलों ने यह संकेत दिया है कि पोहरी के राजस्व तंत्र में भ्रष्टाचार की शिकायतें अपवाद नहीं, बल्कि एक गंभीर चुनौती बन चुकी हैं। हालांकि ईओडब्ल्यू का कहना है कि मामले की विवेचना जारी है और जांच में सामने आने वाले साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल परिसर में रेस्क्यू के दौरान कोबरा ने उगली मृत नागिन

शिवपुरी। नरवर कस्बे के एक निजी विद्यालय में उस समय सनसनी फैल गई, जब नाग-नागिन की सूचना पर पहुंचे सर्पमित्र के सामने कोबरा ने अपने मुंह से एक मृत नागिन बाहर उगल दी। इस दुर्लभ घटना को देखकर मौके पर मौजूद लोग दंग रह गए। घटना का वीडियो अब चर्चा का विषय बना हुआ है। जानकारी के अनुसार, सर्पमित्र सलमान पठान को विद्यालय परिसर में नाग-नागिन का जोड़ा दिखाई देने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचने पर उन्हें केवल एक कोबरा दिखाई दिया। जैसे ही उन्होंने उसे सुरक्षित पकड़ने का प्रयास किया, कोबरा ने अपने मुंह से मृत नागिन बाहर निकाल दी। सर्पमित्र का अनुमान है कि संभवत: दोनों सांपों के बीच संघर्ष हुआ होगा, जिसके बाद कोबरा ने नागिन को निगल लिया।

बदरवास में खोला जाए केंद्रीय विद्यालय

▸ 50 किलोमीटर के दायरे में नहीं है एक भी केंद्रीय विद्यालय

नवभारत न्यूज
बदरवास 01 जुलाई। क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, आधुनिक उत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए बदरवास में केंद्रीय विद्यालय खोलने की बहुत आवश्यकता है और इसकी मांग कई वर्षों से सामाजिक संस्था बदरवास सेवामित्र मंडल सहित समाजसेवियों, नागरिकों द्वारा लगातार की जा रही है।

समाजसेवी गोविन्द अवस्थी ने बताया कि क्षेत्र के विद्यार्थियों को उत्कृष्ट और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए कई वर्षों से बदरवास में केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग की जा रही है और इस मांग को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। गत वर्ष बदरवास सेवामित्र मंडल की मांग पर केंद्रीय संचार मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बदरवास में केंद्रीय विद्यालय खोले जाने के लिए पत्र लिखा था। गोविन्द अवस्थी, मनीष बैरागी, कपिल परिहार का कहना है कि बदरवास शिवपुरी और गुना दोनों जिला मुख्यालयों से लगभग 50-50 किलोमीटर दूर स्थित है। इतने बड़े क्षेत्र में केंद्रीय विद्यालय का अभाव विद्यार्थियों के लिए बड़ी समस्या बना हुआ है। नगर सहित आसपास के सैकड़ों गांवों के छात्र-छात्राओं को बेहतर शिक्षा के लिए दूर-दराज के शहरों का रुख करना पड़ता है, जिससे अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी पड़ता है। बदरवास का भौगोलिक महत्व, बढ़ती जनसंख्या, शैक्षणिक आवश्यकताएं और क्षेत्रीय पहुंच इसे केंद्रीय विद्यालय के लिए उपयुक्त स्थान बनाती हैं। यदि यहां केंद्रीय विद्यालय की स्थापना होती है तो हजारों विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा, आधुनिक सुविधाएं और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सकेगा। बदरवास सेवामित्र मंडल ने मांग की है कि क्षेत्र की वर्षों पुरानी इस मांग को गंभीरता से लेते हुए बदरवास में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना की जाए जिससे अंचल के विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा। बदरवास क्षेत्र में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, लेकिन केंद्रीय विद्यालय जैसी उच्च गुणवत्ता वाली शैक्षणिक संस्था के अभाव में अनेक विद्यार्थियों को अपनी क्षमता के अनुरूप अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। ऐसे में बदरवास में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना पूरे क्षेत्र के शैक्षणिक परिदृश्य को बदल सकती है।

अवैध रेत का परिवहन करते 3 ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त

शिवपुरी। जिले में अवैध रेत परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने एक बार फिर सख्त कार्रवाई करते हुए करैरा में रेत से भरी तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त कर लीं। कार्रवाई के बाद अवैध रेत कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एसडीएम करैरा अनुपम शर्मा और तहसीलदार ललित शर्मा के संयुक्त नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। प्रशासनिक टीम ने करैरा के लोकसेवा केंद्र के सामने टीला रोड पर अवैध रूप से खड़ी रेत से भरी तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को मौके पर ही जब्त कर लिया।

पंजाब की तर्ज पर मध्यप्रदेश में भी सरपंचों को 10,000 मानदेय व 5,000 पेंशन देने की मांग

नवभारत न्यूज
नरवर 01 जुलाई। अखिल भारतीय पंचायत परिषद मध्यप्रदेश के प्रदेश महामंत्री शैलेन्द्र इंदर सिंह रावत ने पंजाब सरकार द्वारा राज्य के सभी सरपंचों को 10,000 मासिक मानदेय देने की घोषणा का स्वागत किया है। यह निर्णय अखिल भारतीय पंचायत परिषद की पहल और डेरा बस्सी के विधायक एवं पंजाब राज्य पंचायत परिषद अध्यक्ष सरदार कुलजीत सिंह रंधावा जी के अथक प्रयासों का परिणाम है। इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान जी का आभार व्यक्त करता हूँ।

> यदि मध्यप्रदेश सरकार ने समय रहते सरपंच साथियों के हक-अधिकार नहीं दिए, तो अखिल भारतीय पंचायत परिषद मध्यप्रदेश के नेतृत्व में प्रदेशभर के सरपंचों के साथ भोपाल में बड़ा आंदोलन किया जाएगा।
>
> **जय पंचायती राज**
> **शैलेन्द्र इंदर सिंह रावत**
> **प्रदेश महामंत्री, अखिल भारतीय पंचायत परिषद मध्यप्रदेश**

मध्यप्रदेश सरकार से मांग:

1. पंजाब की तर्ज पर म.प्र. के सभी सरपंचों को 10,000 मासिक मानदेय दिया जाए। 2. सेवानिवृत्त सरपंचों को 5,000 मासिक पेंशन दी जाए।

सरपंच राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 'ग्राम स्वराज' के सपने को धरातल पर उतारते हैं। पंचायत देश के लोकतंत्र का स्तंभ है और सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाती है। जब विधायक-सांसदों को वेतन-पेंशन व अधिकार बढ़ाए जा रहे हैं, वहीं सरपंचों के अधिकार लगातार सीमित किए जा रहे हैं। एक ओर आप ग्राम पंचायत को 'छोटी सरकार' कहते हैं, दूसरी ओर उसके साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है।

साइबर अपराधों से बचाव का लिया संकल्प

नवभारत न्यूज
पोहरी 01 जुलाई। शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय पोहरी में साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत गुरुवार को साइबर शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम संकुल प्राचार्य भरत सिंह धाकड़ की उपस्थिति में संपन्न हुआ, जिसमें छात्राओं एवं शिक्षकों ने साइबर अपराधों से बचाव और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर छात्राओं को ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, ओटीपी साझा करने के खतरे, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा डिजिटल माध्यमों पर सतर्क रहने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में शिक्षक शिवकुमार श्रीवास्तव, फरहत परवीन, अंजना लकड़ा, रंजना पचौरी सहित विद्यालय की छात्राएं उपस्थित रहीं।

3 करोड़ की 150 बीघा आदिवासी पट्टे की जमीन मुक्त

▸ 64 परिवारों को मिला हक

नवभारत न्यूज
पोहरी 01 जुलाई। प्रशासन ने अवैध कब्जों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम अनभौरा में करीब 3 करोड़ रुपये मूल्य की 150 बीघा से अधिक पट्टे की भूमि दबंगों के कब्जे से मुक्त कराकर 64 आदिवासी परिवारों को दोबारा विधिवत कब्जा दिलाया। राजस्व और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के दौरान मौके पर भूमि की जुताई कराकर पट्टाधारियों को उनके अधिकार सौंपे गए। कलेक्टर अर्पित वर्मा के निर्देश पर एसडीएम जे.पी. गुप्ता के नेतृत्व में हुई कार्रवाई में वर्षों से कब्जाई गई आदिवासी पट्टे की भूमि को मुक्त कराया गया। प्रशासन के अनुसार कुछ लोगों ने लंबे समय से इन परिवारों की जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा था, जिससे वास्तविक हितग्राही अपने अधिकार से वंचित थे। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, पटवारी तथा पुलिस बल की मौजूदगी में राजस्व अभिलेखों के अनुसार सीमांकन कर अवैध कब्जे हटाए गए और भूमि संबंधित पट्टाधारियों को सौंप दी गई। प्रशासन ने बताया कि अशोक कुमार पुत्र इंदरसिंह जाट, जगवीर पुत्र गजेसिंह जाट, दखो बेबा, बल्लू, टिंकू पुत्र लक्ष्मीनारायण, विनीत कुमार पुत्र जयसिंह जाट, जगराम पुत्र हल्ली तथा श्रिया पुत्र हल्ली सहित कई लोगों द्वारा अलग-अलग रकबे पर अवैध कब्जा किया गया था, जिन्हें हटाया गया। एसडीएम जे.पी. गुप्ता ने कहा कि गरीब, दलित और आदिवासी परिवारों की जमीन पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बस पलटने से 16 यात्री घायल; स्टाफ मौके से फरार

नवभारत न्यूज
पोहरी 01 जुलाई। शिवपुरी जिले के बैराड़ थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। ककरई गांव के पास मगर्दा-दुबेरा मार्ग पर सवारियों से भरी एक निजी बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में 16 यात्री घायल हो गए, जबकि बस चालक और स्टाफ घटना के बाद मौके से फरार हो गए। सभी घायलों को बैराड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। जानकारी के मुताबिक बुधवार सुबह करीब 9:35 बजे एक निजी यात्री बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे के समय बस ग्रामीण क्षेत्र के अगरा गांव से सवारियों को लेकर शिवपुरी जा रही थी। बैराड़ पहुंचने से पहले ही मगर्दा-दुबेरा मार्ग पर ककरई गांव के पास चालक बस पर नियंत्रण खो बैठा, जिससे बस पलट गई।

हादसे के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। स्थानीय ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे और बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालने में मदद की। सूचना मिलने पर पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। घायलों को एम्बुलेंस और अन्य वाहनों की मदद से बैराड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हादसे में करीब 16 यात्री घायल हुए हैं।

घायलों में ललिता आदिवासी, धनवंती आदिवासी, न्यासी आदिवासी, नारायणी आदिवासी, रति आदिवासी, विद्या यादव, मछला आदिवासी, बीरो आदिवासी, पांचो आदिवासी, सुनीता धाकड़, होतम यादव, हल्की आदिवासी, शांति कुशवाहा, शांति धाकड़, रामकली आदिवासी और पप्पू आदिवासी शामिल हैं। सभी का उपचार जारी है और अधिकांश की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना का कारण चालक को झपकी आना बताया जा रहा है।

उन्नत बीजों से बढ़ेगी उड़द की पैदावार

▸ किसानों को दिया आत्मनिर्भर खेती का प्रशिक्षण

नवभारत न्यूज
पोहरी 01 जुलाई। किसानों को दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने और उन्नत कृषि तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से 'विकास संवाद' एवं 'कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) शिवपुरी' के संयुक्त तत्वावधान में दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के तहत पोहरी क्षेत्र में एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में टपरपुरा, पटवारी और जाखनोद गांव के 20 चयनित किसानों ने भाग लेकर उन्नत खेती की तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने फसल में उर्वरकों के संतुलित उपयोग, कीट एवं रोग प्रबंधन तथा भूमि की उर्वरता बढ़ाने जैसे विषयों पर विशेषज्ञों से सवाल पूछे। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. एम.के. भार्गव ने किसानों की जिज्ञासाओं का विस्तार से समाधान करते हुए उड़द की उन्नत किस्म आईपीयू-11-02 (IPU 11-02) के बीज वितरित किए। उन्होंने बीज की वैज्ञानिक विधि से बुवाई, फसल प्रबंधन तथा रोग-कीट नियंत्रण के प्रभावी उपायों की जानकारी भी दी। कार्यक्रम में विकास संवाद के जिला समन्वयक अजय यादव ने किसानों से रासायनिक खेती पर निर्भरता कम कर जैविक खेती अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जैविक खेती से न केवल मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है, बल्कि परिवार को सुरक्षित एवं पौष्टिक भोजन भी मिलता है। उन्होंने प्रत्येक किसान को अपने घर के आसपास पोषण वाटिका (किचन गार्डन) विकसित करने की सलाह दी।

अजय यादव ने बताया कि प्रशिक्षण में वितरित किए गए उन्नत बीजों से तैयार होने वाली फसल का एक हिस्सा किसान गांवों में पहले से संचालित बीज बैंकों में वापस जमा करेंगे। इससे पुराने बीज बैंक और अधिक मजबूत होंगे तथा भविष्य में अन्य किसानों को भी उन्नत किस्म के बीज आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य गांवों में बीज आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना और दलहन उत्पादन में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित करना है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में पोहरी जनपद जिले में अव्वल

नवभारत न्यूज
पोहरी 01 जुलाई। जल संरक्षण और जल स्रोतों के पुनर्जीवन के उद्देश्य से चलाए गए जल गंगा संवर्धन अभियान में जनपद पंचायत पोहरी ने जिले में प्रथम स्थान प्राप्त कर उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल की है। इस उल्लेखनीय कार्य के लिए प्रभारी मंत्री द्वारा जनपद पंचायत पोहरी को सम्मानित किया गया।

यह उपलब्धि मुख्य कार्यपालन अधिकारी आफीसर सिंह गुर्जर के नेतृत्व, प्रभावी कार्ययोजना और पूरी टीम की समर्पित मेहनत का परिणाम है। अभियान के दौरान जनपद स्तर पर जल संरक्षण, जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार, जनभागीदारी तथा विभिन्न नवाचारों के माध्यम से उल्लेखनीय कार्य किए गए, जिसकी जिले स्तर पर सराहना हुई। जनपद पंचायत पोहरी के सहायक यंत्री, एपीओ तथा समस्त अधिकारियों-कर्मचारियों ने अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी के सामूहिक प्रयासों के चलते पोहरी जनपद जिले में प्रथम स्थान हासिल करने में सफल रहा। इस अवसर पर ग्राम पंचायत अगर्रा को भी जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित किया गया। पंचायत द्वारा जल संरक्षण एवं जनसहभागिता के क्षेत्र में किए गए कार्यों को जिले में आदर्श माना गया। सम्मान मिलने पर जनपद पंचायत पोहरी के अधिकारियों और कर्मचारियों में उत्साह का माहौल है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने इस उपलब्धि पर पूरी टीम को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि भविष्य में भी जनपद इसी प्रकार विकास और जनहित के कार्यों में नई मिसाल कायम करेगा।

ट्रक से टकराई बाइक, एकलौते बेटे की मौत

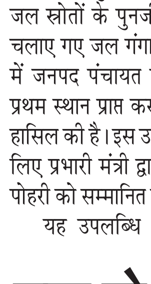

शिवपुरी। 25 वर्षीय युवक दर्दनाक सड़क हादसे का शिकार हो गया। देहात थाना क्षेत्र के गुना बायपास स्थित गौशाला मोड़ पर बारिश के बीच सड़क पर खड़े एक ट्रक से उसकी मोटरसाइकिल टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि युवक की मौके पर गंभीर हालत हो गई और अस्पताल में उपचार से पहले ही चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान गौशाला निवासी मनोज रजक पुत्र धनपाल रजक के रूप में हुई है। वह एक बैटरी एजेंसी में संगणक परिचालक (कंप्यूटर ऑपरेटर) के पद पर कार्यरत था। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। देहात थाना पुलिस ने ट्रक चालक के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आसमानी बिजली ने ली 5 भैंसों की जान, मंदिर का शिखर टूटा, गांवों की बिजली ठप

शिवपुरी। मौसम ने ऐसा रौद्र रूप दिखाया कि कुछ ही मिनटों में कई गांव तबाही की चपेट में आ गए। तेज आंधी, मूसलाधार बारिश और आकाशीय बिजली ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। सबसे दर्दनाक घटना पिछोर अनुविभाग के तिजारपुर गांव में हुई, जहां किसान दानवीर सिंह यादव की पांच भैंसें आकाशीय बिजली गिरने से मौके पर ही मौत का शिकार हो गईं। इस हादसे में किसान को चार लाख रुपये से अधिक का आर्थिक नुकसान हुआ है। उधर, खोड़ स्थित आसमानी माता मंदिर पर भी बिजली गिरने से मंदिर का शिखर और ऊपरी हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। राहत की बात यह रही कि घटना के समय मंदिर में कोई श्रद्धालु मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। तेंदुआ थाना क्षेत्र के सिंधारपुर गांव में तेज आंधी ने बिजली व्यवस्था की कमर तोड़ दी।

अवैध कॉलोनाइजरों पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

▸ सड़कें उखाड़ीं... प्लॉट खरीदने वालों को सख्त चेतावनी

नवभारत न्यूज
शिवपुरी 01 जुलाई। जिले में अवैध कॉलोनियों के कारोबार पर अब जिला प्रशासन ने सख्त शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। कलेक्टर अर्पित वर्मा के निर्देश पर शहर में विकसित हो रही अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध अभियान चलाते हुए राजस्व अमले ने जेसीबी की मदद से कार्रवाई की। इस कार्रवाई से अवैध कॉलोनाइजरों में हड़कंप मच गया है।

एसडीएम आनंद सिंह राजावत के नेतृत्व में राजस्व टीम ने मनियर क्षेत्र के सर्वे क्रमांक-275 में श्रीमती रेखा राय तथा सर्वे क्रमांक-259 में शिवराज सिंह धाकड़ द्वारा विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों का निरीक्षण किया। जांच में नियमों के विपरीत कॉलोनी विकास पाए जाने पर जेसीबी से बनाई गई आंतरिक सड़कों को हटाया गया। साथ ही संबंधित कॉलोनाइजरों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि सक्षम प्राधिकारी से वैधानिक अनुमति प्राप्त किए बिना किसी भी प्रकार का कॉलोनी विकास नहीं किया जाए, अन्यथा उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने आग्रह किया कि बिना वैधानिक अनुमति वाली कॉलोनियों में प्लॉट खरीदकर अपनी जीवनभर की कमाई जोखिम में न डालें।

> **दिनारा में करोड़ों की शासकीय भूमि अतिक्रमण से मुक्त, अवैध सड़क पर चली जेसीबी:**
>
> कलेक्टर अर्पित वर्मा के निर्देश पर दिनारा के पिछोर रोड स्थित पीतांबरा आवासीय कॉलोनी में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपये मूल्य की 1.01 हेक्टेयर शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया। एसडीएम अनुपम शर्मा और तहसीलदार ललित शर्मा के नेतृत्व में जांच के दौरान कॉलोनाइजर द्वारा सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर सड़क निर्माण किए जाने की पुष्टि हुई। इसके बाद जेसीबी से अवैध सड़क ध्वस्त कर भूमि को शासन के कब्जे में लिया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

चोरी की 4 मोटरसाइकिलें सहित दो शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

नवभारत न्यूज
शिवपुरी 01 जुलाई। करैरा थाना पुलिस ने वाहन चोर गिरोह पर बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन लाख रुपये कीमत की चार चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद कर दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। गिरोह के दो अन्य साथी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के अपराधों पर जीरो टॉलरेंस के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले तथा अनुविभागीय पुलिस अधिकारी पिछोर प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में करैरा थाना पुलिस ने यह सफलता हासिल की।

करैरा टीआई विनोद छावई के अनुसार, इलाका भ्रमण के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि अनीस नट खां पुत्र मुवारिक नट खां उर्फ लंपू, निवासी अमारा पिरोठ, थाना इंदार चोरी की हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल लेकर करैरा आ रहा है। पुलिस ने गल्ला मंडी के पीछे किले की तलहटी में घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने मोटरसाइकिल चोरी की होना स्वीकार किया। उसकी निशानदेही पर साथी अरविंद जाटव पुत्र सीताराम जाटव उम्र 38 वर्ष निवासी न्यू कॉलोनी, करैरा के कब्जे से टीला रोड स्थित स्टेडियम की सीढ़ियों के नीचे बने कमरे में छिपाकर रखी गई तीन और चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद कर उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया। बरामद वाहनों में हीरो एचएफ डीलक्स क्रमांक एमपी-33 एमसी-1686, हीरो स्प्लेंडर क्रमांक एमपी-32 एमजे-4740, बजाज पल्सर तथा होंडा ड्रीम युगा क्रमांक एमपी-33 ए-8170 शामिल हैं। बरामद मोटरसाइकिलों की कुल कीमत तीन लाख रुपये आंकी गई है। आरोपियों ने ग्वालियर, शिवपुरी और दतिया जिलों से वाहन चोरी करना स्वीकार किया है। मामले में दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद छावई, उपनिरीक्षक राजकुमार सिंह चाहर, आरक्षक सुरेंद्र सिंह रावत तथा आरक्षक राधेश्याम जादौन की महत्वपूर्ण भूमिका रही।